राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'राजभाषा की संवैधानिक स्थिति और कार्यान्वयन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 10.09.2024 को आयोजित -रिपोर्ट

आज दिनांक 10.9.2024 को श्यामलाल महाविद्यालय के बोर्ड रूम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'राजभाषा की संवैधानिक स्थिति और कार्यान्वयन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता और संवेदनशीलता उत्पन्न करना था ताकि महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा मिल सकें। प्रतिवर्ष 14 सितंबर 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है, इसी उपलक्ष्य में इस कार्य कार्यशाला और व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक एवं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी ने किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. प्रभात शर्मा का स्वागत बाजपेयी जी ने पौधा देकर किया, तत्पश्चात हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. सत्यप्रिय पांडेय ने राजभाषा हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सबको अपनी राजभाषा का सम्मान करना चाहिए। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. प्रभात शर्मा ने अपने वक्तव्य में राजभाषा हिंदी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में राजभाषा के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया उन्होंने यह याद दिलाया की हिंदी केवल इस देश की राजभाषा ही नहीं है अपितु देश की संस्कृति और आस्था का प्रतिनिधित्व करने वाली भाषा भी है। यह हजारों वर्षों से संपर्क भाषा का दायित्व निभाती आयी है। यह देश की आजादी के संघर्ष की भाषा भी है और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का सपना भी यही था कि आजादी के बाद सभी प्रशासनिक कार्य अपने देश की भाषा में ही हो, क्योंकि यही तरक्की और विकास की भाषा है। देश का विकास देश की भाषा के प्रयोग से ही हो सकता है। वक्तव्य के पश्चात कार्यक्रम के अगले भाग में गैर शैक्षणिक वर्ग के मध्य एक प्रतियोगिता रखी गई जिसमें एक प्रपत्र दिया गया जिसमें राजभाषा हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करना था। सभी प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के अंत में श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी ने प्रधानाचार्य, श्यामलाल कॉलेज श्री रबि नारायण कर, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की संयोजक प्रो. कुशा तिवारी, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. प्रभात शर्मा एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का धन्यवाद अर्पण किया। कार्यक्रम में शैक्षणिक वर्ग से डॉ. राजकुमार प्रसाद, डॉ. निधि, डॉ. सुमन, डॉ. रश्मिता साहू उपस्थित थे तथा गैर शैक्षणिक वर्ग में प्रशासनिक अधिकारी श्री अतुल जैन तथा अनुभाग अधिकारी श्री मनोज कुमार तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

NAAC A ++

राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

श्यामलाल महाविद्यालय

एक दिवसीय कार्यशाला

10 सितंबर, 2024

राजभाषा की संवैधानिक स्थिति और कार्यान्वयन

वक्ता : डॉ. प्रभात शर्मा

एसोसिएट प्रोफेसर, श्यामलाल कॉलेज

समय : 02:30 बजे

स्थान : बोर्ड रूम

डॉ वी.के वाजपेयी	प्रो. कुशा तिवारी	प्रो. रबि नारायण कर
संयोजक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, श्यामलाल महाविद्यालय	निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	प्राचार्य, श्यामलाल महाविद्यालय

श्यामलाल महाविद्यालय
एकदिवसीय कार्यशाला
राजभाषा की संवैधानिक स्थिति और
कार्यान्वयन
दिनांक- 10.09.2024

श्यामलाल महाविद्यालय
एकदिवसीय कार्यशाला
राजभाषा की संवैधानिक स्थिति और
कार्यान्वयन
दिनांक- 10.09.2024
श्यामलाल महाविद्यालय